आओ चलें सम्पूरणता की ओर

❍ 21 / 11 / 14 की मुरली से चार्ट ❍

⇛ TOTAL MARKS:- 100 ⇚

✺ शिवभगवानुवाच :-

➳ _ ➳ रोज रात को सोने से पहले बापदादा को पोतामेल सच्ची दिल का दे दिया तो धरमराजपुरी में जाने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी ।

∬1∬स्वमान का अभ्यास (Marks-10)

➢➢ **मैं सदा संपन्न आत्मा हूँ ।**

∬2∬गुण / धारणा पर अटेंशन (Marks-10)

➢➢ **सर्व प्राप्तियों को सदा स्मृति में इमर्ज रखना**

∬3∬बाबा से संबंध का अनुभव(Marks-10)

➢➢ **बाप**

∬4∬ होमवर्क (Marks- 7*5=35)

【✓】 °बाप के मिलने की ख़ुशी° रही ?

【✓】 °प्राप्तियों की ख़ुशी° से अचल रहे ?

【✓】 "°जो पाना था वो पा लिया°" - यही गीत गाते रहे ?

【✓】 °मोहब्बत के झूले° में बैठ मेहनत से छूटे रहे ?

【✓】 °फॉलो फादर° करते चले ?

【✓】 बाप को अपने °बच्चे के रूप में अनुभव° किया ?

【✓】 °स्वदर्शन चक्रधारी° बनकर रहे ?

✺ अव्यक्त बापदादा (05/11/2014) :-

➳ _ ➳ आप भी अपने को उसी रूप में जान रहे हो और अपने को साक्षी होकर देख कितने मुस्करा रहे हो । बापदादा भी हर मुस्कराते हुए दीपक को देख चैतन्य दीपकों की दीवाली मना रहे हैं । हर एक दीपक अपनी दिव्य ज्योति फैला रहे हैं । अगर इतने दीपक स्थूल में जग जाएं तो कितना सुन्दर नजारा हो जाए लेकिन बापदादा चैतन्य सच्चे दीपकों की माला को देख रहे हैं । हर एक दीपक अपने अपने प्रैक्टिकल धारणा के स्वरूप में बापदादा देख रहे हैं और खुश हो रहे हैं वाह मेरे जगे हुए दीपक वाह!

∬5∬ विशेष अभ्यास (Marks-15)

➢➢ आज पूरा दिन अपने को साक्षी हो देख मुस्कुराते रहे ?

∬6∬ ज्ञान मंथन (वरदान) (Marks:-10)

➢➢ सदा संपन्न अनुभव करने के लिए सर्व प्राप्तियों को सदा स्मृति में इमर्ज रखना क्यों आवश्यक है ?

❋ सर्व प्राप्तियों को सदा स्मृति में इमर्ज रखने से निश्चय और नशा दोनों कायम रहते है । स्मृति ही स्थिति का आधार है ।

❋ इससे हम अनुभवों की अथॉरिटी बनते हैं ।

❋ इससे हम सर्व शक्तियों का आहवान करते हैं ।

❋ इससे हमारी ख़ुशी बनी रहेगी और हमारा आत्म बल बढ़ता जायेगा |

❋ यह हमारे उमंग-उत्साह को बढाती है, जब एक प्राप्ति होती है तो उससे आगे ज्यादा पाने कि हमारी शुभ इच्छा होती है |

❋ सर्व प्राप्तियो से संपन्न रहेंगे तो हमारे चेहरे,चलन, व्यव्हार,बोल,कर्म से प्रतक्ष दिखाई देगा कि इन्होने कुछ श्रेष्ठ अलोकिक प्राप्त किया है |

❋ इससे ही हमें आगे ते आगे बढ़ने का बल मिलेगा और हम हमारे लक्ष्य तक पहुच जायेंगे \

❋ सर्व प्राप्तिया इमर्ज रहेगी तो सदा हमारा मन वाह! वाह! के गीत गाता रहेगा और हम संपन्न अनुभव करते जायेंगे |

∬7∬ ज्ञान मंथन (स्लोगन) (Marks-10)

➢➢ **मेहनत से छुटने के लिए मोहब्बत के झूले में बैठ जाना क्यों आवश्यक है ?**

❋ तमोप्रधान से सतोप्रधान बिना सजाएं खाये बन जायेंगे।

❋ बापदादा की महोब्बत में ऑटोमेटिकली दैवी गुण भर जायेंगे।

❋ महोब्बत के झोले में आसानी से 100% दुःख से 100%सुख में जाते है।

❋ महोबत के झूले में माया से आसानी से किनारा हो जाता है।

❋ मोहब्बत में सर्व पराप्तियां हो जाती है।

❋ सुख धाम का पूरा वर्सा महोब्बत में आसानी से मिल जाता है।

⊙_⊙ आप सभी बाबा के प्यारे प्यारे बच्चों से अनुरोध है की रात्रि में सोने से पहले बाबा को आज की मुरली से मिले होमवर्क के हर पॉइंट के मार्क्स ज़रूर दें ।

♔ ॐ शांति ♔